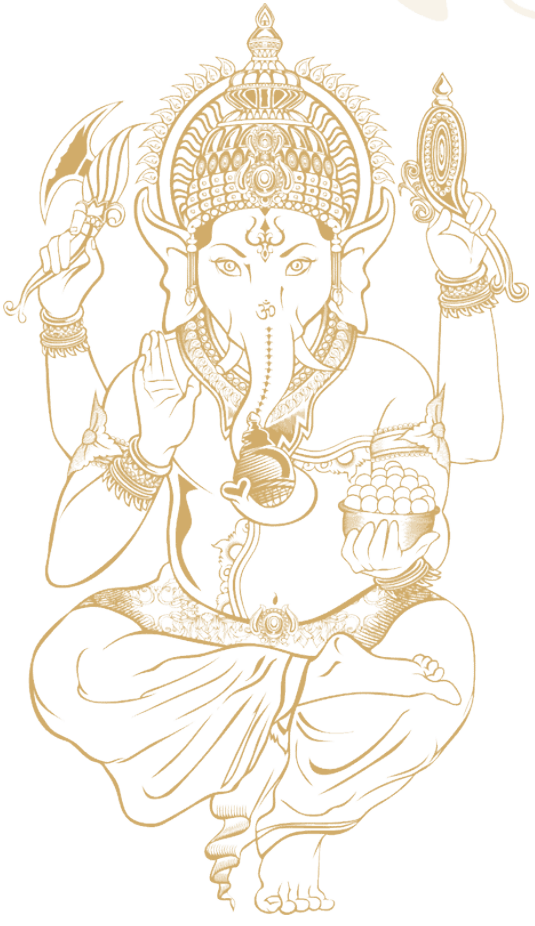

Dr. Umesh Puri

Dr. Kanchan Puri

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121149605

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
15-16/12/1956	जन्म तिथि	27-28/10/1961
शनि-रविवार	दिन	शुक्र-शनिवार
घंटे 01:38:00	जन्म समय	04:00:00 घंटे
घटी 46:38:07	जन्म समय(घटी)	53:39:53 घटी
India	देश	India
Pune	स्थान	Jhansi
18:34:00 उत्तर	अक्षांश	25:27:00 उत्तर
73:58:00 पूर्व	रेखांश	78:34:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:34:08	स्थानिक संस्कार	-00:15:44 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:58:45	सूर्योदय	06:20:39
17:59:50	सूर्यास्त	17:38:29
23:15:35	चित्रपक्षीय अयनांश	23:19:14

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
सूर्य 2वर्ष 6मा 4दि	16:38:27	कन्या	लग्न	कन्या	08:34:46	मंगल 2वर्ष 4मा 18दि
शनि	00:35:50	धनु	सूर्य	तुला	10:56:45	बुध
21/06/2010	04:24:58	वृष	चंद्र	मिथु	02:07:37	16/03/2017
21/06/2029	11:32:08	मीन	मंगल	तुला	24:38:59	17/03/2034
शनि 24/06/2013	17:58:55	धनु	बुध व	तुला	00:22:39	बुध 13/08/2019
बुध 03/03/2016	07:00:28	कन्या	गुरु	मक	05:51:24	केतु 09/08/2020
केतु 12/04/2017	01:49:21	वृश्चि	शुक्र	कन्या	18:50:59	शुक्र 10/06/2023
शुक्र 11/06/2020	14:14:00	वृश्चि	शनि	मक	00:39:39	सूर्य 16/04/2024
सूर्य 24/05/2021	05:40:32	वृश्चि	राहु व	सिंह	01:02:16	चन्द्र 15/09/2025
चन्द्र 24/12/2022	05:40:32	वृष	केतु व	कुंभ	01:02:16	मंगल 12/09/2026
मंगल 02/02/2024	13:14:07	कर्क व	हर्ष	सिंह	06:31:26	राहु 01/04/2029
राहु 09/12/2026	08:40:48	तुला	नेप	तुला	17:28:28	गुरु 08/07/2031
गुरु 21/06/2029	07:08:57	सिंह व	प्लूटो	सिंह	16:16:37	शनि 17/03/2034

लग्न-चलित

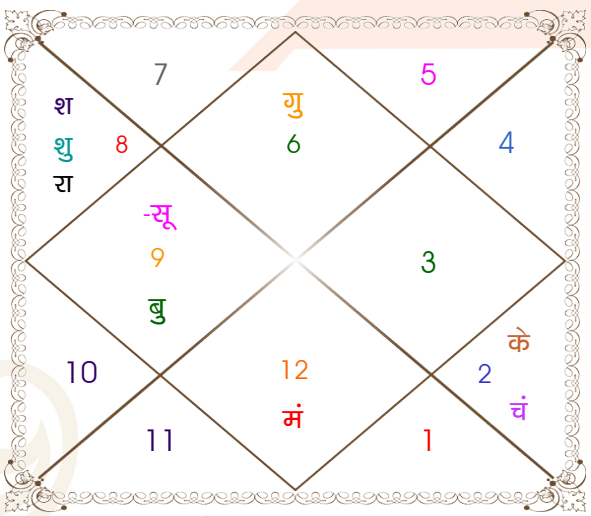

लग्न-चलित

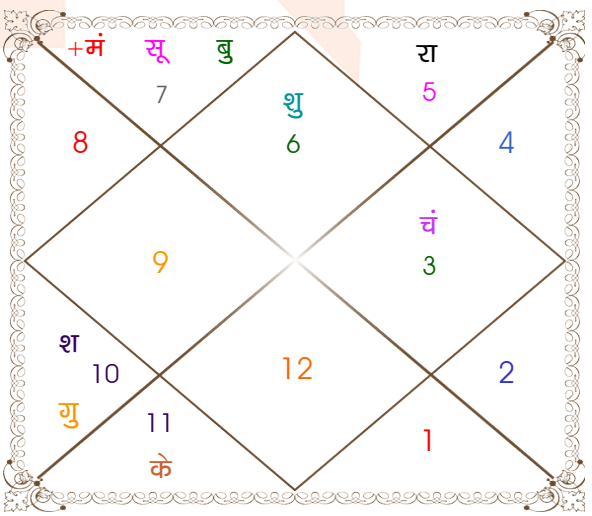

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मेष	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	बुध	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	मिथुन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	19.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

क्तण न्उमेी च्नतप का वर्ग गरूड़ है तथा क्तण झ्ंदबींद च्नतप का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार क्तण न्उमेी च्नतप और क्तण झ्ंदबींद च्नतप का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

क्तण न्उमेी च्नतप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है एवं चन्द्र से मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल चन्द्र कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

क्तण झ्ंदबींद च्नतप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है एवं चन्द्र से भी मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल चन्द्र कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

क्तण न्उमेी च्नतप मंगलीक है भाव में स्थित है एवं सप्तम् भाव में स्थित है एवं राहु भी कन्या की कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है। अतः क्तण न्उमेी च्नतप तथा क्तण झ्ंदबींद च्नतप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।